Series : WYX7Z

SET ~ 1

प्रश्न-पत्र कोड **2/7/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

(ii) ***खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) ***खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(iv) ***खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(v) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(vi) *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

बढ़ती उम्र के साथ हमारे दिमाग का संज्ञानात्मक कौशल, पहचानने और याद रखने की क्षमता मंद पड़ने लगती है। पर यह भी सच है कि हमारे दिमाग में यह क्षमता भी है कि उम्र बढ़ने के साथ वह नया सीख भी सकता है और पुराने सीखे हुए पर अपनी पकड़ बनाए रख सकता है। मेडिकल की भाषा में इसे न्यूरोप्लास्टिसिटी कहते हैं। पर इसके लिए आपको नियमित अभ्यास करना पड़ता है। रचनात्मकता बहुत सारी सूचनाओं के होने से ही नहीं आती। हम तब कुछ रच पाते हैं, जब सूचनाओं को ढंग से समझते हैं और पूर्व ज्ञान से उसे जोड़ पाते हैं। तभी वह हमारे गहन शिक्षण का हिस्सा बन पाती है और लंबे समय तक हम उसे याद रख सकते हैं।

हमारे दिमाग का बड़ा हिस्सा चीज़ों को उनके रेखाचित्र व जगह के तौर पर भी याद रखता है। स्क्रीन पर हम लिखे हुए शब्दों को स्क्रॉल करते हुए आगे बढ़ जाते हैं या कुछ मिनटों बाद ही सोशल मीडिया या दूसरे लिंक्स पर चले जाते हैं, जबकि किताब का बहुआयामी रेखाचित्र और उसमें लिखे शब्द स्थिर होते हैं। मशीनें व्यक्ति को उस तरह प्रेरित नहीं कर पातीं जिस तरह प्यार व हमदर्दी से बने रिश्ते। इसीलिए स्वीडन समेत कई देश परंपरागत पढ़ाई के तौर-तरीकों को आगे बढ़ा रहे हैं। किताबें पढ़ने के बाद हमें अक्सर चीज़ें, चित्र या स्थान विशेष के साथ याद रहती हैं। लंबी याददाश्त के लिए डिजिटल कॉपी की जगह किताब को पढ़ना दिमाग के लिए अधिक बेहतर साबित होगा। समय-समय पर चीज़ों को दोहराएँ। अपने दिमाग को चुनौतियाँ दें। आप दिमाग को जितनी चुनौतियाँ देंगे, वह उतना बेहतर काम करेगा। सकारात्मकता को जीवन का अंग बनाएँ।

(i) कोई भी बात हमारे गहन शिक्षण का हिस्सा कब बन पाती है ? *1*

(A) जब जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन जाए

(B) जब प्रबल इच्छा शक्ति से सीखा जाए

(C) जब आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाए

(D) जब समझ से सीखा और अभ्यास किया जाए

(ii) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ***असत्य*** है ? *1*

(A) रचनात्मकता बहुत सारी सूचनाओं के होने से आती है।

(B) स्क्रीन पर पढ़ते समय सोशल मीडिया पर समय व्यर्थ होने की संभावना होती है।

(C) हमारा दिमाग चीज़ों को स्थान विशेष के आधार पर भी याद रखता है।

(D) मशीनों में प्रेरणाशक्ति व संबंधों की मधुरता का अभाव होता है।

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

कथन : किताबों में पढ़ा हुआ हमें पृष्ठ के स्थान विशेष के साथ याद रहता है।

कारण : किताबों का बहुआयामी रेखाचित्र व शब्द स्थिर होते हैं।

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) रचनात्मकता कैसे आती है ? *1*

(v) गद्यांश में दिमाग संबंधी किन दो विरोधी बातों का उल्लेख किया गया है ? *2*

(vi) गद्यांश में सीखने-सिखाने के परंपरागत तरीकों को आधुनिक तरीकों से बेहतर क्यों बताया गया है ? *2*

(vii) गद्यांश के आधार पर याददाश्त बढ़ाने के कोई दो उपाय लिखिए। *2*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

बज रहा है शंख रण-आह्वान का,
बढ़ सिपाही के सदृश बलिदान कर,
आँख में लेकर चमक संकल्प की,
ले हृदय उत्साह वाणी में प्रबल।

तू भुजा में नित अमित बल-शक्ति ले,
और संशयहीन चिंतन ले सबल।
उठ, अरे ओ देश के प्यारे तरुण,
सिंह-सम पाषाण सीना तानकर
और संशयहीन चिंतन ले सबल।

ओ नए युग के युवक नव शक्तिमय,
पथ अँधेरे से ढका सब ओर है
सूर्य-सम दीपित उठाकर भाल को
देख, कैसा सभ्यता का भोर है।

पार्थ के सम आँख के प्रतिबिंब से
ओ तरुण ! उठ लक्ष्य का संधान कर।
हस्तगत करके विजय सब ओर बढ़
शत्रु के अभिमान-मंडित शीश चढ़।
मुक्ति के संघर्ष में कर दिग्विजय
आज फिर नव एकता के पाठ पढ़।
खटखटाती द्वार है युग-चेतना,
तोड़ दे ये लौह-पट तू आनकर ॥

(i) पद्यांश में कवि किसे संबोधित कर रहा है ? *1*

(A) देश की युवाशक्ति को
(B) सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों को
(C) जीवन रूपी संघर्ष में हारने वाले योद्धाओं को
(D) देश की उन्नति में योगदान देने वाले विद्वानों को

(ii) 'पथ अँधेरे से ढका सब ओर है' – पंक्ति में 'अँधेरा' प्रतीकार्थ है : *1*

(A) अज्ञान
(B) अंधकार
(C) निराशा
(D) विपत्तियाँ

(iii) 'भाल' शब्द का अर्थ है : *1*

(A) भाला
(B) मस्तक
(C) छाती
(D) भुजा

(iv) 'लक्ष्य का संधान कर' से क्या अभिप्राय है ? *1*

(v) 'तोड़ दे ये लौह-पट तू आनकर' पंक्ति में 'लौह-पट' से क्या आशय है ? *2*

(vi) इस पद्यांश में क्या प्रेरणा दी गई है ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) मातृभाषा में शिक्षा

(ii) मीडिया ! लोकतन्त्र का चौथा स्तंभ

(iii) 'डिजिटल अरेस्ट' : अपराध का नया तरीका

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) विचारों को शब्दबद्ध करना, लेख की शक्ल देना ज़्यादातर लोगों के लिए खासा मुश्किल काम क्यों है ?

(ii) रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या सीमित रखने का बंधन क्यों है ?

(iii) विशेष लेखन की भाषा शैली सामान्य लेखन से किस प्रकार भिन्न है ? लिखिए।

(iv) पूर्णकालिक और अंशकालिक पत्रकार के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(v) स्तंभ लेखन से आप क्या समझते हैं ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) नाटक और कहानी की आत्मा के कुछ मूल तत्त्वों के एक होते हुए भी दोनों में क्या भिन्नता है ?

(ii) विशेष रिपोर्ट किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न प्रकारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

(iii) रेडियो समाचारों की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

प्रात: नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
और .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

(i) चौके के गीले होने का क्या भावार्थ है ?

(A) नए जीवन का उदय
(B) वातावरण में नमी
(C) भोजन के लिए तैयार होना
(D) वातावरण में शुष्कता

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्र है।

कारण : कविता में वर्णित उपमान इस कविता को गाँव की सुबह से जोड़ते हैं।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।
(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) काव्यांश का वर्ण्य विषय है :

(A) सूर्योदय के ठीक पहले के पल-पल परिवर्तित प्रकृति का शब्द-चित्र

(B) सूर्योदय के ठीक बाद के पल-पल परिवर्तित प्रकृति का शब्द-चित्र

(C) ग्रामीण जीवन में सुबह के समय होने वाली गतिविधियों का शब्द-चित्र

(D) स्लेट पर चाक से रंग मलते बच्चों के अदृश्य हाथों का शब्द-चित्र

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I		*कॉलम-II*	
1.	काली सिल का लाल केसर से धुला होना	(i)	पवित्रता
2.	राख से लीपा हुआ चौका	(ii)	उज्ज्वलता
3.	गौर वर्णा युवती की जल में झिलमिलाती देह	(iii)	निर्मलता

विकल्प:

(A) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(B) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(C) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

(D) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

(v) उषा का जादू क्यों टूट जाता है ?

(A) आकाश में बादलों के छा जाने से

(B) आकाश में सूर्योदय के हो जाने से

(C) गाँव में होने वाली चहल-पहल से

(D) प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों से

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) ' 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता दृश्य-संचार माध्यम की संवेदनहीनता का उदाहरण है ।' सिद्ध कीजिए।

(ii) बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को बेचैन क्यों कहा गया है ? 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए।

(iii) तुलसीदास ने 'कवितावली' के छंद में पेट की आग को बड़वाग्नि से भी बड़ा क्यों कहा है ? इस अग्नि का शमन तुलसी के अनुसार किस प्रकार किया जा सकता है ? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) चिड़िया के उड़ने और फूलों के खिलने का कविता से क्या संबंध बनता है ? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ii) बात की चूड़ी मर जाने का क्या अर्थ है ? चूड़ी मर जाने का क्या परिणाम हुआ ? 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर बताइए।

(iii) बादल को 'विप्लव के बादल' क्यों कहा गया है ? 'बादल राग' कविता के संदर्भ में लिखिए।

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाज़ार जाओ तो खाली मन न हो। मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लू-पन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य से भरा हो, तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाज़ार की असली कृतार्थता है – आवश्यकता के समय काम आना।

यहाँ एक अंतर समझ लेना बहुत ज़रूरी है। मन खाली नहीं रहना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि मन बंद रहना चाहिए। जो बंद हो जाएगा, वह शून्य हो जाएगा। शून्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है।

(i) गद्यांश में लू और पानी का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ?

(A) गर्मी के दुष्प्रभाव से बचने के लिए

(B) बाज़ार की चकाचौंध से बचने के लिए

(C) मन को नियंत्रण में रखने के लिए

(D) बाज़ार को कृतार्थता प्रदान करने के लिए

(ii) बाज़ार को कृतार्थता कौन प्रदान करता है ?

(A) जो कृपणता के साथ खरीददारी करता है

(B) जो बाज़ार से भरपूर खरीददारी करता है

(C) जो अपनी ज़रूरत के अनुसार ही खरीददारी करता है

(D) जिसकी जेब और मन दोनों ही भरे होते हैं

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : बाज़ार की असली कृतार्थता आवश्यकता के समय लोगों के काम आना है।

कारण : बाज़ार का मूक आमंत्रण लोगों में चाह जगाता है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I		*कॉलम-II*	
1.	मन भरा होना	(i)	मन का तृषित होना
2.	मन बंद होना	(ii)	मन का तृप्त होना
3.	मन खाली होना	(iii)	मन का शून्य होना

विकल्प :

(A) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(B) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

(C) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(D) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करता है ?

(A) आवश्यकताओं को समझ बाज़ार का उपयोग करें

(B) बाज़ार के आकर्षण से बचने के लिए मन को बंद रखें

(C) बाज़ार की जादुई ताकत से बचने के लिए बाज़ार न जाएँ

(D) बाज़ार से खरीददारी करने वाले लोग उसे कृतार्थता प्रदान करते हैं

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) शिरीष को अवधूत क्यों कहा गया है ? इसके माध्यम से लेखक ने क्या प्रेरणा दी है ?

(ii) रात्रि की विभीषिका कैसी थी ? ढोलक किस रूप में उसे चुनौती देती थी ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) महादेवी अपने और भक्तिन के संबंध को सेवक और स्वामी का संबंध क्यों नहीं मानती थी ? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर लिखिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) शिरीष के फल-फूलों के विषय में लेखक और कालिदास के विचारों का विरोधाभास पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ii) अर्घ्य क्या होता है ? लेखक की जीजी मेंढक मंडली पर डाले जाने वाले पानी को अर्घ्य क्यों समझती है ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर 'लोकतंत्र' का आशय स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में लिखिए कि भूषण द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन भेंट किए जाने पर यशोधर बाबू की आँखों में उत्साह की अपेक्षा नमी क्यों थी। क्या इसे वर्तमान पीढ़ी द्वारा पारंपरिक जीवन मूल्यों की उपेक्षा समझा जा सकता है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ii) 'जूझ' कहानी का नायक किन परिस्थितियों में अपनी पढ़ाई जारी रख पाता है ? अगर उसके स्थान पर आप होते तो किस प्रकार अपने सपने को जीवित रख पाते ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) मुअनजो-दड़ो की सभ्यता को आडंबर विहीन सभ्यता क्यों कहा जाता है ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड– 2/7/1, 2/7/2, 2/7/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें। एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series WYX7Z प्रश्न-पत्र कोड 2/7/1, 2/7/2, 2/7/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/7/1	2/7/2	2/7/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(D) जब समझ से सीखा और अभ्यास किया जाए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) रचनात्मकता बहुत सारी सूचनाओं के होने से आती है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• प्राप्त सूचनाओं और ज्ञान को पूर्व ज्ञान से जोड़ नया आकार देने की कोशिश से	1
	(v)	(v)	(v)	• उम्र बढ़ने के साथ संज्ञानात्मक कौशल और स्मरण शक्ति का कमजोर पड़ना • उम्र बढ़ने के साथ भी नया सीखने और पुराने को याद रखने की दिमागी क्षमता का होना	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• पारंपरिक तरीकों में मानवीय रिश्तों में विद्यमान प्यार व हमदर्दी की भावना होना, आधुनिक तरीकों में इनका अभाव • पारंपरिक तरीकों में स्थायित्व, आधुनिक तरीकों में भटकाव	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• डिजिटल कॉपी की अपेक्षा किताबों को पढ़ना • समय-समय पर चीज़ों को दोहराना • चुनौतीपूर्ण कार्यों को करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(A) देश की युवाशक्ति को	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) निराशा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) मस्तक	1

	(iv) (v) (vi)	(iv) (v) (vi)	(iv) (v) (vi)	• एकाग्रता से लक्ष्य का निर्धारण • व्यवस्था की जड़ता • राष्ट्र और समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता • व्यवस्था की जड़ता, राष्ट्र और समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता को तोड़ने की • ध्यान केंद्रित कर लक्ष्य का संधान करने की • राष्ट्रीय एव सामजिक एकता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील होने की • संघर्ष द्वारा विजय प्राप्त करने की (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1 2 2
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	3	3	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6**x**1=6
4	**4** (i) (ii)	**4** - -	**4** - -	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित- • आत्मनिर्भर होकर लिखित रूप में अभिव्यक्ति का अभ्यास नहीं होने से • अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त भाषा-शैली एवं शब्द-संपदा का अभाव • श्रव्य माध्यम • सीमित अवधि • अधिक पात्रों को याद रख पाना कठिन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	(4**x**2=8) 2 2

	(iii)	-	-	• विषय-विशेष की तकनीकी शब्दावली से युक्त गहन विश्लेषण • किसी निश्चित लेखन-शैली का न होना	2
	(iv)	-	-	• पूर्णकालिक पत्रकार – स्थायी, नियमित वेतन भोगी • अंशकालिक पत्रकार – अस्थायी, निश्चित मानदेय पर काम करने वाला	2
	(v)	-	-	• विचारपरक लेखन का एक प्रमुख रूप • स्वतंत्र, निष्पक्ष लेखन जिसमें लेखक को विषय चुनने और विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता	2
	-	(i)	-	• नया और अलग सोचने-विचारने की क्षमता का ह्रास • लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता का विकसित न हो पाना	2
	-	(ii)	-	तात्पर्य- • चल रहे कार्यक्रमों के बीच किसी बड़ी और महत्त्वपूर्ण ख़बर को तत्काल दर्शकों तक पहुँचाया जाना • कम से कम शब्दों में केवल सूचना दिया जाना (कोई एक बिंदु अपेक्षित) माध्यम- • इलैक्ट्रॉनिक	1+1
	-	(iii)	-	• साफ-सुथरी और टंकित कॉपी • डबल स्पेस में लिखा जाना • कठिन, भ्रामक, द्विअर्थी और लंबे शब्दों का प्रयोग वर्जित • एक से 10 तक के अंकों को शब्दों में, 11 से 999 तक अंकों में तथा उससे आगे शब्दों में लिखना • संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

	-	(iv)	-	• मनुष्य की एकाग्रता की अवधि सीमित • श्रोताओं का बंधन में (कैपटिव ऑडिएंस) न होना	2
	-	(v)	-	• पहले चार ककार (क्या, कौन, कब और कहा) - सूचनाओं और तथ्यों पर • अंतिम दो ककार (कैसे और क्यों) - विवरणात्मक, व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलुओं पर	1+1
	-	-	(i)	• लेखन की निश्चित शैली का न होना • विषय और व्यक्ति की प्रकृति के अनुरूप लेखन में विविधता • एक ही विषय पर विभिन्न कोणों से विचार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ii)	• रेडियो नाटक केवल श्रव्य माध्यम, रंगमंचीय नाटक दृश्य-श्रव्य • रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या एवं समय सीमित, रंगमंचीय नाटक इससे मुक्त • रेडियो नाटक में मंच-सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, वस्त्र सज्जा और पात्रों की भाव-भंगिमाएँ आदि संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से जबकि रंगमंचीय नाटकों में अनिवार्य (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(iii)	क्या- • किसी घटना, समस्या या मुद्दे आदि पर समाचारपत्र की अपनी राय दायित्व- • संपादकीय समूह पर	1+1
	-	-	(iv)	• लेखन और संपादन में सुविधा • आकर्षक, ग्राह्य, संक्षिप्त, सीमित समय और स्थान के कारण	2

	-	-	(v)	• संवाददाता : सामान्य घटना अथवा समाचार (बीट) को कवर करने वाला • विशेष संवाददाता : विशिष्ट क्षेत्र या विषय पर गहन जानकारी और विश्लेषण के साथ विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला	2
5	**5**	5	5	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	(i)	(i)	• अभिनय के माध्यम से मंच पर नाटक की प्रस्तुति, कहानी का कहा या पढ़ा जाना • नाटक में लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता एवं अन्य लोगों से जुड़ाव, कहानी का संबंध केवल लेखक और श्रोता/पाठक से • नाटक में मंच सज्जा, ध्वनि, प्रकाश व्यवस्था आदि अनिवार्य, कहानी में नहीं • नाटक की प्रस्तुति अनिवार्यतः संवादों के माध्यम से, कहानी में संवाद सीमित • नाटक में द्वंद्व अधिक, कहानी में अपेक्षाकृत कम (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	(ii)	(ii)	(ii)	किसे- • गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट प्रकार – • खोजी रिपोर्ट – मौलिक शोध और छानबीन के जरिए ऐसी सूचनाएँ या तथ्य सामने लाना जो सार्वजानिक तौर पर उपलब्ध न हो • इन-डेप्थ रिपोर्ट - सार्वजानिक तौर पर उपलब्ध सूचनाओं, तथ्यों, आँकड़ों की गहरी छानबीन के आधार पर किसी घटना, समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाना • विश्लेषणात्मक रिपोर्ट - किसी घटना या समस्या से जुड़े तथ्यों के विश्लेषण और व्याख्या पर जोर • विवरणात्मक रिपोर्ट – किसी घटना या समस्या के विस्तृत और बारीक विवरण को प्रस्तुत करना	1+3

	(iii)	(iii)	(iii)	• सरल, सहज और आम बोलचाल की भाषा • छोटे वाक्यों का प्रयोग • संकेत चिह्नों का प्रयोग वर्जित • कठिन, भ्रामक, द्विअर्थी और लंबे शब्दों का प्रयोग वर्जित • एक से 10 तक के अंकों को शब्दों में, 11 से 999 तक अंकों में तथा उससे आगे शब्दों में लिखना • संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचना (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	**6**	**6**	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) वातावरण में नमी	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) सूर्योदय के ठीक पहले के पल-पल परिवर्तित प्रकृति का शब्द-चित्र	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) 1 – (ii), 2 – (i), 3 – (iii)	1
	(v)	(v)	(v)	(B) आकाश में सूर्योदय के हो जाने से	1
7	7	7	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =6)
	(i)	(i)	(i)	• शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति से पूछे जाने वाले असंवेदनशील प्रश्न • अपेक्षित भाव-भंगिमा लाने का निर्देश • निर्धारित समय में पीड़ा बताने का निर्देश • मनवांछित सफलता न मिलने की खीझ (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ii)	(ii)	(ii)	• निश्छल बच्चों की भावना-कल्पनाओं का कपास की तरह निर्मल, कोमल होना • पतंग उड़ाते बच्चों की चंचलता एवं गतिशीलता के कारण	3

	(iii)	(iii)	(iii)	क्यों- • पेट की अग्नि से विवश हो मानव द्वारा नैतिक-अनैतिक, धर्म-अधर्म के बारे में विचार न करना किस प्रकार- • राम रूपी घनश्याम (मेघ) के कृपा-जल से विचार से सहमति - (परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+1+1
8	8	8	8	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	**(2x2 =4)**
	(i)	(i)	(i)	चिड़िया की उड़ान- • चिड़िया और कविता दोनों का उड़ान भरना • चिड़िया का पंखों के सहारे उड़ान भरना, कविता में कवि की कल्पनाओं और भावनाओं की उड़ान • चिड़िया की उड़ान सीमित, कविता में कल्पना की उड़ान असीमित (कोई एक बिंदु अपेक्षित) फूलों का खिलना - • कविता के समान ही खिले फूलों में भी सौंदर्य, कोमलता एवं आनंद • फूलों का सौंदर्य अल्पकालीन, कविता अनंत जीवन और आनंद से युक्त • खिलकर मुरझा जाना फूलों की नियति, किंतु सदैव नए अर्थ ग्रहण कर कालजयी बने रहना कविता का स्वभाव (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	**1+1**
	(ii)	(ii)	(ii)	अर्थ- • बात का प्रभावहीन हो जाना परिणाम- • कथ्य का भाषा में उलझ कर रह जाना • कविता का स्वाभाविक विकास अवरुद्ध होना आदि (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	• शोषित वर्ग में नवीन क्रांति का प्रतीक होना • साहस एवं उत्साह का संचार • पूँजीपतियों में भय व्याप्त होना आदि (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

9	9	9	9	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	**(5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) बाज़ार की चकाचौंध से बचने के लिए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) जो अपनी ज़रूरत के अनुसार ही खरीददारी करता है	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) 1 – (ii), 2 – (iii), 3 – (i)	1
	(v)	(v)	(v)	(A) आवश्यकताओं को समझ बाज़ार का उपयोग करें	1
10	**1**0	10	10	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	**(2x**3 **=6)**
	(i)	(i)	(i)	क्यों- ● बाह्य परिवर्तनों के बीच भी अविचलित बने रहना ● विपरीत परिस्थितियों के बीच भी सरस बने रहना ● कोमल और कठोर, दोनों भावों का एक साथ निर्वहन (कोई दो बिंदु अपेक्षित) प्रेरणा- ● विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य एवं संयम धारण कर अविचल जिजीविषु बने रहने की	2+1
	(ii)	(ii)	(ii)	विभीषिका – ● चारों तरफ निस्तब्धता और अंधकार का वातावरण होना ● सियारों, कुत्तों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज ● हैजे से पीड़ित गाँव वालों की कराहटें (कोई दो बिंदु अपेक्षित) चुनौती- ● ढोलक की आवाज़ का ताल ठोककर ललकारना	2+1
	(iii)	(iii)	(iii)	● भक्तिन का स्वेच्छा से काम करना ● कभी-कभी महादेवी जी की आज्ञा की अवहेलना करना ● सेविका होने के बजाए संरक्षिका का भाव रखना ● दोनों के बीच आत्मीयता का संबंध (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

11	11	11	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	• कालिदास- शिरीष के फूल का कोमल होना, केवल भ्रमरों के पदों के दबाव को ही सहन कर पाना, पक्षियों के भार को नहीं • लेखक - शिरीष का सब-कुछ कोमल न होना, नए फूलों के निकल आने पर भी इसके मज़बूत फलों का अपना स्थान न छोड़ना	2
	(ii)	(ii)	(ii)	अर्घ्य – • देवी-देवताओं को जल अर्पित करना क्यों- • ऋषि-मुनियों की परंपरा से प्रभावित जीजी द्वारा इसे त्याग, दान और पानी की बुवाई मानना	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	• सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति • समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम • साथियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
12	12	12	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	क्यों- • भूषण द्वारा घर की जिम्मेदारी उठाने की बात न कहने के कारण • पिता की चिंता की बजाए लोक-लज्जा को प्राथमिकता देने के कारण • पारिवारिक संबंधों से अधिक धन को महत्त्व देने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	(ii)	-	-	• पिता की इच्छा के विरुद्ध माँ और दत्ता जी राव की सहायता से • मराठी शिक्षक सौंदलगेकर से प्रभाव ग्रहण कर • खेती-बाड़ी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखना • सहपाठियों द्वारा तंग करने पर भी हौसला रखना	2+3

				• परिश्रम के महत्त्व को समझने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	
	(iii)	-	-	• समाजपोषित सत्ता • हथियारों की बजाए औजारों को प्रमुखता • महल, पिरामिड, मूर्ति पूजा, राजतंत्र का आडंबरयुक्त प्रदर्शन नहीं • लो प्रोफाइल सभ्यता • विशाल अन्नागार एवं स्नानागार सामूहिकता के परिचायक	5
	-	(i)	-	• सहकर्मियों के साथ मिलनसार • किशनदा के आदर्शों के अनुरूप व्यवहार • सबके साथ रहते हुए भी सम्मानजनक दूरी • व्यवस्थित और प्रसन्नचित होकर कार्य करना • आधुनिक विचारधारा और फैशन के लोग, कम पसंद • सहकर्मियों की छोटी-मोटी धृष्टता की अनदेखी (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	(ii)	-	• परस्पर आत्मीयता का भाव • मराठी शिक्षक न.वा. सौंदलगेकर द्वारा लेखक को प्रोत्साहित करना • अन्य कक्षाओं में बुलाकर लेखक द्वारा कविता पाठ कराना • लेखक को कविता लेखन की बारीकियाँ समझाना • लेखक द्वारा स्व-रचित कविताओं में सुधार हेतु शिक्षक के घर जाना • मराठी शिक्षक की शैली से प्रभावित होकर अनुकरण करना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	(iii)	-	• व्यक्ति केंद्रित शासन का प्रमाण न मिलना • हथियारों की बजाए औजारों को प्रमुखता • भव्य राज-प्रासाद, मंदिर, राजाओं-महंतों की समाधियों का न मिलना	5

				• विशालता के स्थान पर कला की भव्यता दिखाई देना • लो प्रोफाइल सभ्यता • विशाल अन्नागार एवं स्नानागार सामूहिकता के परिचायक (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	
	-	-	(i)	• नदी के किनारे बसा सुव्यवस्थित नगर • वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण • कुएँ खोदकर भू-जल तक पहुँचने वाली विश्व की पहली ज्ञात संस्कृति • सामूहिक स्नान के लिए बने स्नानागार • जल-संरक्षण का उत्कृष्ट प्रबंध • जल-निकासी की समुचित व्यवस्था • उन्नत एवं सुनियोजित नालियों की व्यवस्था • हर घर में स्नानागार का होना • कुंड के पानी से रिसाव के लिए, अशुद्ध पानी अंदर आने से रोकने के लिए कुंड के तल में और दीवारों पर पक्की ईंटों से चूने और चिरोड़ी के गारे से चिनाई (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(ii)	• कठिन परिस्थितियों से हार न मानकर संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कथा • पाठशाला जाने के लिए अपनी माँ और दत्ता जी राव के सहयोग से पिता को मनाना • खेतों में काम करते हुए भी आनंदा का अपनी पढ़ाई जारी रखना • सहपाठियों द्वारा उड़ाई जाने वाली खिल्ली को सहन करना • सद्व्यवहार से अध्यापकों एवं सहपाठियों का दिल जीतना • खेतों में काम करते हुए कविता लेखन के शौक को पूरा करना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5

	-	-	(iii)	कारण- • आधुनिकता की पक्षधर • नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप खुद को ढालने में सक्षम • संतान की प्रत्येक बात में सहमति • फैशनपरस्त (कोई दो बिंदु अपेक्षित) प्रतिक्रिया- • 'शानयल बुढ़िया', 'चटाई का लहँगा' या 'बूढ़ी मुँह मुँहासे, लोग करें तमासे' कहकर पत्नी के विद्रोह को मज़ाक में उड़ा देना • पत्नी की आधुनिकता को पसंद न करना • पत्नी की फैशनपरस्ती से चिढ़ना • 'समहाउ इंप्रॉपर' कहते हुए असहमति व्यक्त करना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	2+3